जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 112 प्रभात उदयपुर, बुधवार 22 फरवरी, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

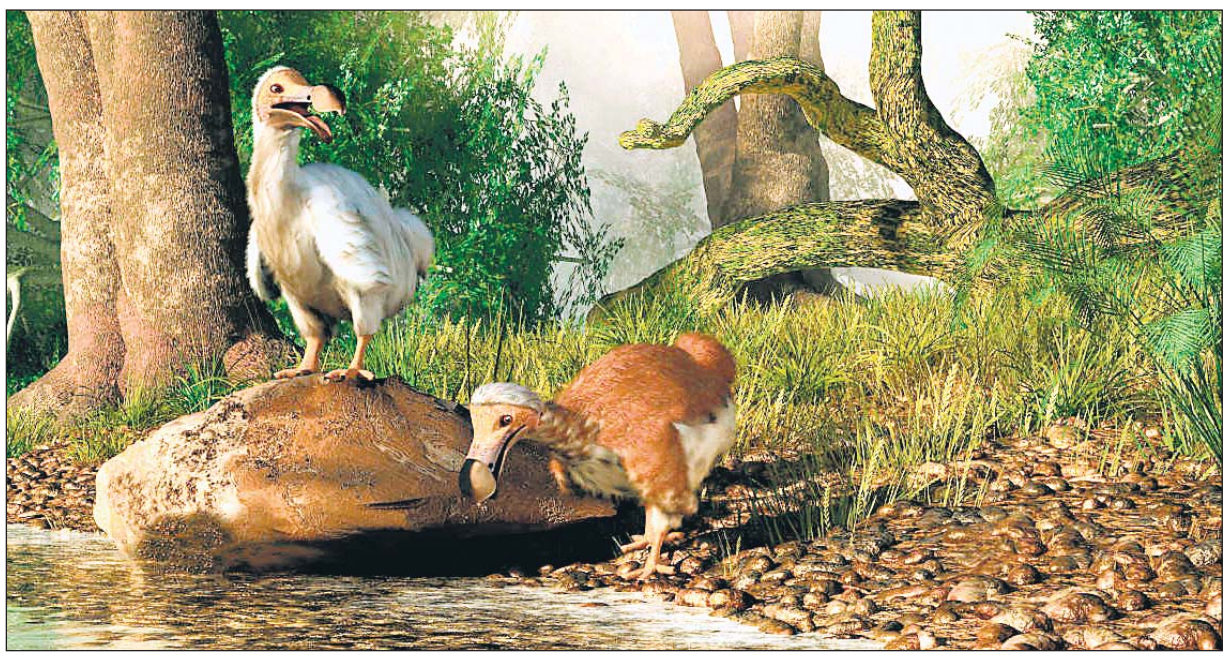

गत डेढ़ साल से एक बायोटैक्नॉलजी कम्पनी दो लुप्त प्रजातियों, वूली मैमथ एवं थायलासीन (टैस्मैनिअन टाइगर) की वापसी की कोशिश कर रही है। पर, हाल ही में, कलोसल बायोसाईन्सेज़ नाम की इस कम्पनी ने इस लिस्ट में डोडो बर्ड को भी जोड़ दिया है। कम्पनी की प्रमुख पेलिओजैनेटिसिस्ट, बैथ शापीरो ने कहा, "डोडो प्रतीक है कि, किस प्रकार इंसान के हैबिटैट में होने वाले परिवर्तन की वजह से प्रजातियाँ लुप्त हो सकती हैं। कभी डोडो हिंद महासागर के द्वीप मॉरीशस के निवासी होते थे, लेकिन इंसान व उसके द्वारा द्वीप पर लाए गए जानवरों ने इस प्रजाति का इस कदर शिकार किया कि, 17 वीं सदी के अंत तक डोडो प्रजाति लुप्त हो गई। अब, कलोसल बायोसाइन्सेज़ का दावा है कि, इस विशाल "फ्लाइटलैस" (उड़ने में अक्षम) पक्षी को इसके जीवित सम्बंधियों के जीनोम में एडिटिंग करके वापस लाया जा सकता है। तथापि, अभी वैज्ञानिकों को लम्बा सफर तय करना है। अभी वो आवश्यक जैनटिक प्रक्रिया विकसित कर रहे हैं। डोडो को विकसित करने के लिए वैज्ञानिक डोडो के निकटतम जीवित रिश्तेदार, निकोबार पिजन के जीन्स को एडिट करने की योजना बना रहे हैं। वैज्ञानिक प्राचीन डी.एन.ए. से डोडो के जीनोम का सीक्वेंस बनाने में पहले ही सफल हो चुके हैं। अब वे पिजन को डोडो जैसा बनाने के लिए उसके अंडे से जर्म सैल्स को हटाकर और जीन्स को एडिट करके सैल्स को दोबारा अंडे में स्थापित करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कलोसल के साइन्टिफिक एडवायज़री बोर्ड के सदस्य माइक मैक्यू, जो युनिवर्सिटी ऑफ एडिनबरा में पक्षियों की जीन्स एडिटिंग करते हैं, ने कहा, "मैं दस साल से ऐसा कर रहा हूँ और यह बहुत कठिन है। कलोसल इसके लिए वर्ष 2021 से अब तक 22 मिलियन डॉलर एकत्रित कर चुका है।"

'सचिन पायलट से मनमुटाव है, तो गहलोत को उनके पास जाना पड़ेगा'

'सचिन पायलट हमारे यूथ लीडर, इग्नोर नहीं किया जा सकता'

जयपुर, 21 फरवरी (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा है कि सचिन पायलट नेता हैं और गहलोत साहब सबसे बड़े हैं। ऐसे में यदि कोई मनमुटाव है तो गहलोत साहब को अपने आप ही उनके पास जाना पड़ेगा। रंधावा ने राजस्थान में दोनों नेताओं के बीच चल रहे मनमुटाव और अंतर्द्वंद को समाप्त करने के लिए मीडिया के जरिए राजस्थान के मुख्यमंत्री के सामने यह सुझाव रखा है। वहीं महेश जोशी की ओर से दिए गए बयान को लेकर उन्होंने ना इत्तफाकी जताते हुए कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमों के बीच चल रहे बयानों और आपसी अंतर्द्वंद को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत को सलाह दी है कि कोई भी व्यक्ति परिवार का हैड है, तो उसे ही बात करनी होगी। इसी के साथ पार्टी में सचिन पायलट की भूमिका पर रंधावा ने कहा कि पायलट का रोल हमेशा ही रहेगा। वे हमारे यूथ लीडर हैं। उनके पिता भी कांग्रेसी रहे हैं। इग्नोर तो किसी को नहीं किया जा सकता है। गहलोत साहब तीन बार जनरल सेक्रेट्री रहे, तीन बार सीएम रहे। वहीं पंजाब में पिछली बार गहलोत साहब ने ही टिकट बांटे थे। ऐसे में गहलोत साहब की जिम्मेवारी औरों से ज्यादा बन जाती है। इसी के साथ रंधावा ने कहा कि मतभेद कैसे खत्म करने हैं, इस बारे में वे हमसे ज्यादा अनुभवी हैं। राजस्थान के प्रभारी ने यह भी कहा कि पूरी कांग्रेस एकजुट है, जो गिले शिकवे हैं, वे दूर हो जाएंगे। राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। राजनीति में कल का दोस्त आगे दुश्मन बन जाता है। पायलट खेमे की बातें मेरे आने से पहले की हैं। वह हाईकमान की नज़र में हैं। एक्शन होगा या नहीं। यह तो उनसे पूछना चाहिए, जिन्होंने मुझे भेजा है। मैं तो ऊपर से आए आदेश को 15 मिनट में लागू कर दूंगा।

- **राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा का बयान, राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं, कल का दोस्त आगे दुश्मन बन जाता है।**
- **महेश जोशी के मामले में बोले, उनका बयान आना ठीक नहीं है, उदयपुर अधिवेशन में तय हो गया था तो पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था।**

इसी के साथ सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी के इस्तीफे और उसके बाद राजस्थान कांग्रेस का सियासी पारा चढ़ने पर रंधावा ने कहा कि यह तो एक साल पहले ही हो जाना चाहिए था। रंधावा ने कहा कि जब पार्टी के उदयपुर अधिवेशन में फैसला हो गया कि कोई व्यक्ति दो पदों पर नहीं रह सकता। मुख्यमंत्री को यह बहुत पहले कर देना चाहिए था।

महेश जोशी ने इस्तीफा देने के बाद जो कहा, उस पर उन्होंने कहा कि ऐसे बयान आना ठीक नहीं है। अगर उन्हें लगता है कि 25 सितंबर की वजह से हुआ है, तो अभी उसके बारे में हाईकमान ने कोई बात नहीं की है। न मैंने बात की है। पार्टी के अधिवेशन में फैसला हुआ कि एक ही पद पर रह सकते हैं। वह फैसला मैंने लागू कर दिया। जिस पर एक्शन होना है। ऊपर से आएगा तो लागू कर देंगे।

उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई जाने का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। हाल ही आई 75 एआईसीसी सदस्यों की सूची से महेश जोशी, शांति धारीवाल और धर्मेंद्र राठौड़ को बाहर रखा गया है। इन नेतओं के विधायक दल की समानान्तर बैठक बुलाने के मामले में नोटिस दिए गए थे, उन्हें सूची से बाहर रखा गया है। यह भी संकेत दे रहा है कि आलाकमान कहीं ना कहीं इस मामले को लेकर अभी फैसला पेंडिंग रखे हुए हैं।

मधुसूदन मिस्त्री से काम लेकर वेणुगोपाल को देना भयंकर "ब्लंडर" साबित हुआ?

यह सच है कि, अथॉरिटी ने कांग्रेसाध्यक्ष व पी.सी.सी. अध्यक्षों का चुनाव बिना किसी विवाद के सम्पन्न किया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। कांग्रेस पार्टी के 85 वें महाधिवेशन से पूर्व ए.आई.सी.सी. सदस्यों की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस पार्टी के अंदर भारी नाराज़गी पनप रही है।

राजस्थान की लिस्ट में अशोक चांदना को निर्वाचित ए.आई.सी.सी. सदस्य बनाया गया है जबकि वो पी.सी.सी. सदस्य भी नहीं हैं।

इसी प्रकार संजीता सिहाग को ए.आई.सी.सी. का निर्वाचित सदस्य बनाया गया है, जबकि, वो पी.सी.सी. सदस्य भी नहीं हैं।

अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत का नाम निर्वाचित ए.आई.सी.सी. सदस्यों की सूची में है, जबकि, राज्य के कई वरिष्ठ नेताओं को ड्रॉप कर दिया गया है और लिस्ट में उनका नाम नहीं है। वरिष्ठ मंत्री बी.डी.कल्ला को भी ड्रॉप कर दिया गया है। वहीं रूक्ष्मणी कुमारी को ए.आई.सी.सी. सदस्य बनाया गया है, जबकि, उन्हें ज्यादा कोई नहीं जानता।

ड्रॉप होने वाले नेताओं में प्रमुख नाम हैं, गिरिजा व्यास, चंद्रभान, नारायण सिंह, तीनों पूर्व पी.सी.सी. अध्यक्ष हैं, तथा हेमाराम चौधरी और पूर्व स्पीकर दीपेन्द्र सिंह शेखावत भी लिस्ट से बाहर हैं। राजस्थान विधानसभा के वर्तमान स्पीकर, महेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर, अथॉरिटी अध्यक्ष मधुसूदन मिस्री से काम लेकर वेणुगोपाल को सौंपा गया।**
- **मधुसुदन मिस्री के अनुसार, ए.आई.सी.सी. डेलिगेट्स का काम, जो लगभग पूरा हो गया था, से अपने आपको उन्होंने अलग कर लिया और एक के बाद एक विवाद होने लगे।**
- **कई नेता, जो पी.सी.सी. के सदस्य भी नहीं थे, उन्हें ए.आई.सी.सी. डेलिगेट बनाया, जैसे अशोक चांदना, रूक्ष्मणी कुमारी, आदि। कई वरिष्ठ नेता, जैसे हेमाराम चौधरी, दीपेन्द्र सिंह, गोपाल सिंह इडवा को ए.आई.सी.सी. के सदस्यों में शामिल नहीं किया गया।**
- **यह अजीबोगरीब स्थिति राजस्थान तक ही सीमित नहीं।**

राहुल की "वायरल फोटो" का सच

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। बी.बी.सी. की डॉक्युमैंट्री "इंडिया : द मोदी क्वैश्चन" के निर्माता के साथ राहुल गांधी की कथित वायरल तस्वीर "गलत" प्रचार है।

कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि फोटो में राहुल गांधी ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सांसद जैरेमी कॉर्बिन और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा के साथ हैं।

सैम पित्रोदा ने ट्वीट किया कि इस फोटो में पहले नम्बर पर राहुल गांधी हैं, बीच में खड़े व्यक्ति मेरे मित्र जैरेमी कॉर्बिन है और फिर मैं हूं। कॉर्बिन ब्रिटिश सांसद हैं बी.बी.सी. एग्जीक्युटिव नहीं।

बी.बी.सी. के अनुसार मोदी क्वैश्चन के निर्माता है रिचर्ड कुकसन और माइक रैडफोर्ड।

- **कांग्रेस ने दावा किया कि, राहुल गांधी की जिस वायरल तस्वीर में उन्हें कथित तौर पर बी.बी.सी. डॉक्युमैंटरी के निर्माता के साथ बताया जा रहा है, उसमें असल में राहुल गांधी के साथ ब्रिटिश सांसद जैरमी कॉर्बिन और सैम पित्रोदा हैं।**

'बाड़मेर रिफाइनरी "मरुधरा का नगीना" है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को बाड़मेर रिफायनरी को "मरुधरा का नगीना" बताया तथा कहा कि यह राजस्थान के लोगों को रोजगार, अवसर तथा खुशी प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रोजैक्ट भारत को उसके 2030 तक 450 एम.एम.टी.पी.ए. रिफाइनिंग क्षमता प्राप्त करने के स्वप्न की पूर्ति तक तथा राजस्थान की स्थानीय जनता के सामाजिक-आर्थिक लाभ की स्थिति तक ले जायेगा।

उन्होंने कहा कि कोविड 19 महामारी के दो वर्षों के दौरान आये बड़े गतिरोध के बावजूद, इस प्रोजैक्ट का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **केन्द्रीय पैट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस प्रोजैक्ट की, जो अभी निर्माणाधीन है, जोरदार तारीफ की और कहा कि, इससे राजस्थान की जनता को रोजगार के अवसर मिलेंगे।**

पुतिन ने राष्ट्रपति बाइडन की यूक्रेन यात्रा का "जवाब" दिया

और आक्रामक रूख अपनाते हुए पुतिन ने, अमेरिका के साथ एक दशक से न्यूक्लियर मिसाइल्स के बारे में लागू "एग्रीमैंट" को रद्द किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। पश्चिमी देशों और रूस के बीच विवाद को स्पष्ट रूप से बढ़ाते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की राजधानी कीव में कल किए गए अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के दौरे की बड़ी मुखर व तीखी प्रतिक्रिया दी।

यूक्रेन में चल रहा युद्ध पहले ही एक क्षेत्रीय झड़प की सीमा से परे जाकर शीत युद्ध की महाशक्तियों के बीच का एक आमने-सामने का मुकाबला बन चुका है।

रूस के राष्ट्रपति ने आज कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो वास्तव में अमेरिका और रूस के दीर्घकालिक संबंधों का स्वरूप बदलती हैं और चीन भी इसी की प्रतीक्षा में था ताकि वह इस हाथापाई से कुछ लाभ उठा सके।

उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण घोषणाओं में परमाणु हथियारों की नई स्ट्रैटेजिक आर्म्स ट्रीटी (एस.टी.ए. आर.टी.) में भागीदारी के अपने निर्णय को स्थगित करना है।

पुतिन ने आज अपने राष्ट्रीय उद्बोधन में रूस के सांसदों और कुलीन लोगों को संबोधित किया, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के यूक्रेन दौरे ने उनके उद्बोधन को फीका कर दिया और जो प्रसिद्धि पुतिन को मिल सकती थी, उसे बाइडन ने पहले ही अर्जित कर लिया।

बाइडन का दौरा रूस के लिए एक तरह से सबसे बड़ा उपहास था।

वलादिमीर पुतिन ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान शुरु करने के एक महीने बाद ही वे जीत का जश्न मनाने के लिए उसकी राजधानी कीव में होंगे, तथापि इस युद्ध की शुरुआत के बाद अब साल भर से ऊपर हो गया है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ैलेन्स्की कल जब कीव के प्रधान गिरिजा घर के समीप वॉक कर रहे थे, पुतिन तब भी यूक्रेन की राजधानी से बहुत दूर थे। बाइडन और ज़ैलेन्स्की की वॉक के संदेश ने रूस के राष्ट्रपति को बुरी तरह से खिजा दिया और पुतिन ने एक राष्ट्रीय प्रसारण में घोषणा की कि वे न्यूक्लियर मिसाइल्स की अंतिम सीमा को लेकर दस वर्ष वर्ष हुए समझौते को रद्द कर रहे हैं। उन्होंने यह भी धमकी दी कि रूस परमाणु परीक्षण पुनः शुरु करेगा। पुतिन ने महसूस किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पुतिन मंगलवार को रूस के राजनीतिज्ञों व सोसाइटी के स्तम्भ नेताओं को संबोधित करने वाले थे, पर बाइडन की यूक्रेन यात्रा ने उनके इस कार्यक्रम की हवा निकाल दी।**
- **साथ ही पुतिन काफी समय से यूक्रेन की राजधानी कीव जाकर यूक्रेन पर अपनी विजय का जश्न मनाने की भी घोषणा कर चुके हैं, पर बाइडन उनसे पहले कीव पहुंच गये। यह "स्थिति" भी पुतिन को बर्दाश्त नहीं हो रही।**
- **पुतिन के पास एक अति आक्रामक रवैये के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है।**
- **अमेरिका व रूस के बीच जो शीत युद्ध जैसी स्थिति बनती नजर आ रही है, चीन इस घटनाक्रम में अपनी रोटी सेकने के लिये "साइड-लाइन" से ललचायी आंखों से देख रहा है।**

'हिन्दुस्तान में चुनाव वातावरण गर्माया हो या नहीं, लंदन व न्यूयॉर्क में गर्मा गया है'

मोदी सरकार के सबसे बढ़िया वक्ता, परराष्ट्र मंत्री जयशंकर, बी.बी.सी. द्वारा मोदी के खिलाफ डॉक्युमैंटरी के प्रसारण को महज इत्तफाक नहीं मानते

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने, समाचार एजेंसी ए.एन.आई. को दिये एक इन्टरव्यू में, बी.बी.सी. पर हमला बोलते हुये कहा कि कुछ लोग, जिनमें "राजनैतिक मैदान में उतरने का साहस" नहीं है, "वास्तविक राजनीति" को "प्रत्यक्षत: मीडिया के रूप में" चला रहे हैं। उन्होंने इस विस्तृत इन्टरव्यू में बी.बी.सी. से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक फैले विभिन्न मुद्दों के परिदृश्य को कवर किया।

इस जोश को "अन्य माध्यमों से राजनीति" का नाम देते हुये, जयशंकर ने इस इन्टरव्यू में विदेशी साजिश के सरकार और भाजपा के चुनिंदा जवाबी हमले के विषय को उठाते हुये कहा कि "कभी-कभी भारत की राजनीति की उत्पत्ति उसकी सरहदों के अंदर नहीं होती, यह बाहर से भी आया करती है।"

जयशंकर, जो मोदी सरकार के सर्वाधिक वाक् पटु मंत्रियों में से एक हैं, ने कहा, "हम मात्र किसी डॉक्यूमैन्ट्री, या किसी व्यक्ति द्वारा यूरोप के किसी नगर में दिये गये भाषण या विदेश के किसी समाचार-पत्र के संपादकीय पर बहस नहीं कर रहे हैं, हम वास्तवकिता में की जा रही उस राजनीति पर बहस कर रहे हैं, जो प्रत्यक्षत: मीडिया के रूप में की जा रही है- एक प्रचलित वाक्यांश है, "अन्य साधनों द्वारा युद्ध", यह एक अन्य साधन द्वारा की जा रही राजनीति है- मेरा मतलब है, आप कटु आलोचना करेंगे, आप कोई तीखी आलोचना करना चाहते हैं, और कहते हैं कि यह सच्चाई की एक और तलाश है, जिसे इस समय प्रस्तुत करने का निर्णय हमने 20 साल बाद लिया है।"

दो पार्ट में बनी बी.बी.सी. डॉक्यूमैन्ट्री की प्रस्तुति के समय- 2024 के लोकसभा चुनावों से एक साल पहले पर सवाल खड़ा करते हुये, विदेश मंत्री ने कहा, "कोई बात नहीं, आप कहते हैं कि प्रस्तुति का समय तो संयोग मात्र है। मैं आपको एक बात बता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **उन्होंने आसानी से अपने इन्टरव्यु को विदेश नीति से, राहुल गांधी पर शिफ्ट किया।**
- **विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि, राहुल हम लोगों पर (भाजपा सरकार पर) चीन के प्रति अति "उदारवादी" (एकोमोडेटिव) होने का आरोप लगाते हैं, हमने जितनी सेना, चीन की सीमा पर लगा रखी है, शायद शांति काल में कभी नहीं लगी। हमने सीमा पर, अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पहले से पांच गुना अधिक खर्चा किया है।**
- **जैसा कि विदित ही है, जयशंकर के पिता 1977 में, जनता पार्टी के समय सबसे युवा सचिव थे, केन्द्रीय सरकार में। उन्हें इंदिरा गांधी ने रक्षा उत्पादन मंत्रालय से आते ही हटाया और फिर राजीव गांधी ने उनसे जूनियर को उनके ऊपर पदोन्नति दी और वे कभी कैबिनेट सचिव नहीं बन सके थे।**
- **भाजपा द्वारा अडानी-मोदी संबंधों की छाया में, सरकार की पैरवी करने के लिये जयशंकर को उतारना समझदारी का निर्णय है, वे अच्छे वक्ता तो हैं ही, उनके पिता के साथ हुए अन्याय ने उनकी बात में और खनक डाल दी।**